भाकृअनुप-अटारी, कोलकाता में हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़ा-2023 का उद्घाटन समारोह आयोजित

14 सितंबर, 2023, कोलकाता

भाकृअनुप- कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कोलकाता ने आज हिंदी दिवस मनाया और हिंदी पखवाड़ा-2023 का उद्घाटन समारोह आयोजित किया। संस्थान के निदेशक डॉ. प्रदीप डे ने इस पावन अवसर पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मेलन कक्ष में राजभाषा शपथ दिलाया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, कोलकाता के निदेशक डॉ. देबी प्रसाद मिश्रा रहे। उन्होंने इस तरह के सार्थक कार्यक्रम के आयोजन के लिए अटारी, कोलकाता के प्रति गहरी संतुष्टि व्यक्त की। उन्होंने यह भी बताया कि विज्ञान और प्रशिक्षण में हिंदी का उपयोग कैसे किया जा सकता है। उन्होने हिंदी का महत्व को बड़ी सरलता से निम्न लिखित दो पंक्तियों में समझाया-

हमारी राष्ट की भाष हे हिंदी, हमारी देश की सान हे हिंदी,

हमारी संस्कृति का उजागर हे हिंदी, पूरे देश को जोड़ता हे हिंदी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. प्रदीप डे ने सबसे पहले, आधुनिक हिंदी साहित्य के पितामह भारतेन्दु हरिश्चंद्र को याद किया जिन्होंने, निज यानी अपनी भाषा को सारी उन्नतियों का मूलाधार बताया है। तत्पश्चात उन्होंने हिंदी में काम करने का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि यदि आप अंग्रेजी में 'Approved' लिखते हैं तो आप 8 अक्षरों का और 'Recommended' में 11 अक्षरों का प्रयोग करते हैं। उसके स्थान पर यदि आप हिन्दी का प्रयोग करते हैं तो आप क्रमशः स्वीकृत और अनुशंसित लिखते हैं। इसी तरह, आप 'Skilled', 'Semi-skilled' और 'Unskilled' को क्रमशः कुशल, अर्ध-कुशल और अकुशल के रूप में उपयोग कर सकते हैं। और ऐसा करने से न सिर्फ आप कम अक्षरों का इस्तेमाल कर रहे हैं बल्कि सबसे खास बात यह है कि ये शब्द बांग्ला भाषा के काफी करीब हैं। और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप राजभाषा का उपयोग कर रहे हैं जो कि सरकारी कर्मचारियों के लिए एक कर्तव्य भी है। अंत में उन्होंने सभी को आगे आकर हिंदी में काम करने के लिए आमंत्रित किया।

तदुपरांत हिंदी की दशा और दिशा पर भी संक्षिप्त चर्चा हुई। बैठक में संस्थान के सभी वैज्ञानिकों / अधिकारियों और परियोजना कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन समिति सदस्य डॉ. एस.के. मंडल ने किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से 'हिन्दी पखवाड़ा' समारोह का शुभारंभ भी किया गया। जिसमे 28 सितंबर तक विविध प्रतियोगिताओं के द्वारा हिन्दी में रुचि बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। डॉ. पी.पी. पाल, प्रधान वैज्ञानिक ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

हिंदी
पखवाड़ा
दिवस समारोह का आयोजन

हिंदी
पखवाड़ा
एवं
दिवस समारोह का आयोजन